दर्णप चित्रण द्वारा प्रचिक्षण का अंतरण

(Transfer of training through Mirror Drawing)

प्रयोग का नाम- दर्पण चित्रण द्वारा प्रशिक्षण का अंतरण (Transfer of training through Mirror Drawing)

प्रयोग का उद्देश्य- दर्पण चित्रण की सहायता से प्रशिक्षण के स्थानान्तरण की प्रकृति का अध्ययन करना।

वास्तविक प्रयोग -

1. पूर्व-परीक्षण (**Pre-test**) - प्री-टेस्ट परिस्थिति (भाग-1) में विषयी ने एक पेंसिल ली जो कि उसने बाएँ हाथ में पकड़ी थी । "प्रारम्भ' (start) शब्द सुनते ही विषयी ने सुई की दिशा (Clockwise) में स्टार पैटर्न पर पेंसिल चलाना शुरु कर दिया। साथ ही विराम घड़ी भी शुरु कर दी गयी। जब पेंसिल वापस प्रारम्भिक बिंदु पर फिर से आती है तब विषयी को 'समाप्त (stop) शब्द कहकर रुकने के लिए कहा गया तथा इसके साथ-साथ विराम घड़ी को भी रोक दिया गया। फिर लिया गया समय तथा त्रुटियों की संख्या को लिख लिया गया। विराम घड़ी को फिर से अगले प्रयास के लिए पुनः सेट किया गया। इसी प्रकार से दूसरा व तीसरा प्रयास पूरा किया गया।

2. अधिगम (**Leaning/Practice**)- आगे प्रयोग में अधिगम की प्रक्रिया को किया गया। इस भाग में विषयी ने स्टार-पैटर्न पर दाएँ हाथ से घड़ी की विपरीत (anti-clockwise) में पेंसिल को चलाना शुरु किया। विषयी ने पेंसिल को Starting point पर रखा तथा

प्रारम्भ कहते ही सुई की दिशा में पेंसिल चलाना शुरु किया ग्या 'समाप्त' कहते ही प्रयास को समाप्त कर दिया। फिर कुल त्रुटियों की संख्या तथा लिया गया समय नोट किया गया। अधिगम की प्रक्रिया या प्रयास 0 बार दोहराया गया ।

3. पोस्ट- टेस्ट (**Post-test**)

यह प्रयोग की तीसरी परिस्थिति है। पोस्ट-टेस्ट में विषयी को फिर से बाएँ हाथ से स्टार पैटर्न पर घड़ी की सुई की दिशा (Clockwise) में पेंसिल से स्टार पर चलाने के लिए कहा गया। यह प्रयास तीन बार करने के लिए कहा गया पहले की तरह। फिर लिए गए समय तथा त्रुटियों की संख्या को लिखा गया ।

विवरण तालिका

Trials	Time taken (Min)	Time taken (Sec)	Errors	hand	Experimental Condition
1	0	0	0		
2	0	0	0	Left	Pre-test
3	0	0	0		
4	0	0	0		
5	0	0	0		
6	0	0	0	Right	Learning
7	0	0	0		
8	0	0	0		
9	0	0	0		

10	0	0	0		
11	0	0	0	Left	Post-test
12	0	0	0		

परिणाम

Average	Experimental Condition (Pre)	Experimental Condition (Post)	Difference
Error	0	0	0
Time	0 sec.	0 sec.	0 sec.

Difference in Average error =

= Average no. of errors in Pre-test Condition - Average no of errors in Past-test condition

= 0-0

= 0

Difference in Average Time=

Average time taken in Pre-test Condition - Average Time taken in Post-test condition.

= 0 sec. – 0 sec.
= 0 sec.

The result of the experiment confirms the process of Positive Transfer in learning or bilateral transfer.

परिणाम की व्याख्या –

- उपर्युक्त प्रयोगों से प्राप्त आँकड़ों के आधार पर विषयी ने Pre test में औसत समय 0 sec लगाया तथा औसत त्रुटि 0 हुई है। Post test में विषयी का औसत समय 0 sec तथा औसत त्रुटि 0 हुई। दोनों ही टेस्ट (Pre व Past) विषयी ने बाएँ हाथ से किए थे। प्राप्त डेटा से यह ज्ञात होता है। Post test में विषयी ने सीखने के बाद बहुत कम त्रुटि की तथा समय भी कुछ कम लगा।

- इससे पता चल रहा है पर कि अभ्यास का सीखने पर धनात्मक प्रभाव पड़ता है। दोनो ही test का औसत धनात्मक है। इससे पता चल रहा है सीखने का विषयी की सीखने की प्रक्रिया पर धनात्मक प्रभाव किया है। अर्थात् बाएँ हाथ से स्टार बनाते समय त्रुटि कम हुई।

- दर्पण चित्रण द्वारा अधिगम आँख और हाथ के संयोजन पर आश्रित है।
  इस प्रकार यह सिद्ध होता है कि कौशल व अधिगम का धनात्मक प्रभाव पड़ा है।

निष्कर्ष –

- दायें हाथ से लिखने का बाएँ हाथ पर भी प्रभाव पड़ता है। अर्थात् यदि एक हाथ से कोई कौशल सीखा जाए तो उसका धनात्मक प्रभाव दूसरे हाथ पर पड़ता है।
- इस प्रयोग से अभ्यास के नियम की पुष्टि होती है।

- इस प्रयोग की सहायता से विषयी ने आँख, हाथ में समायोजन को भी सीख लिया है।

- दर्पण चित्रण विधि बार-बार गलती करके सीखने का प्रयोग है।